Subtle Sins in Brahmin Life

ब्राह्मण जीवन के सूक्ष्म विकर्म

01) Adulterated Yaad of Baba (व्यभिचारी याद)

02) Allegations (मिथ्या आरोप लगाना)

03) Arguments with Seniors (सीनियर्स के साथ बहस करना)

04) Ask in return after giving Donation
(सेवा में देने के बाद वापस मांगना)

05) Attachment with bodily being (देहधारियों से ममत्व)

06) Bad eye gestures, eye winking and Staring to opposite sex (आंखों से भद्दे इशारे करना, विपरीत लिंग को घूरना)

07) Being Narad (Transfer of talks to here and there , creating misunderstanding) (नारद बनना, यहाँ की बात उधर करना)

08) Being Rude , using imperative sentences always
(अशिष्ट होकर सदैव आदेशात्मक बोल बोलना)

09) Being unhappy at success of others
(दूसरों की सफलता से दुखी होना)

10) Blaming others for own Karma
(अपने कर्मों के लिए दूसरों को दोषी बनाना)

11) Bodily Fantasy (दैहिक तृष्णाएं, कल्पनाएं)

12) Bodily Sight (दैहिक दृष्टि)

13) Castism (जातिवाद)

14) Comparison of self and others (स्वयं और दूसरों की तुलना करना)

15) Conversation on Worldly matters (लौकिक बातों पर बातचीत)

16) Creating Rumors (अफ़वाह करना)

17) Criticizing to any Religion or spiritual organization
(किसी भी धर्म या आध्यात्मिक संस्था की ग्लानि करना)

18) Criticizing someone (निंदा करना और सुनना)

19) Defaming Someone (बदनामी करना)

20) Disregard of Brahma bhojan
(ब्रह्मा भोजन का अनादर करना या एक्स्ट्रा लेकर फिर नही खाना और उसे वेस्ट करना)

21) Disregard of Seniors/Juniors
(सीनियर या जूनियर किसी का भी अपमान करना)

22) Disservice of Baba's Yagya (बाबा के यज्ञ की ग्लानि करना)

23) Disturbing others by acts of talk/laugh/karmas
(बोल/हंसी/कर्मों द्वारा दूसरे को जानबूझकर परेशान करना)

24) Doubt in Baba (बाबा में संशय होना)

25) Doubt in Baba's Supreme Knowledge (Murli)
(मुरली में संशय रखना)

26) Doing no seva while your are capable of that
(योग्यता होते हुए भी सेवा न करना)

27) Doing seva for name, fame and Praise
(नाम,मान और शान के लिए सेवा करना)

28) Doing service by having impure thoughts
(अशुद्ध विचारों से सेवा करना)

29) Doubt in Brahmin Family
(ब्राह्मण परिवार में संशय रखना)

30) Dual Meaning Speech (दो-अर्थी बोल)

31) Dual standard nature (अंदर एक बाहर दूसरा होना)

32) False Appreciation (झूठी प्रशंसा)

33) False assumption about someone
(किसी के बारे में गलत अनुमान लगाना)

34) Fault finding Nature (दूसरे में कमी निकालना)

35) Fearful Nature (भयभीत होने का स्वभाव)

36) Feeling of Mine and others (अपने व पराये का भाव)

37) Feeling of Revenge/Tit for Tat (बदले की भावना)

38) Feeling of wrongful actions through sight, attitude and deeds (दृष्टी, वृत्ति और कृति में गलत भावनाएं रखना)

39) Follow brother/Sister (भाई या बहन को फोलो करना)

40) Giving Excuses on time of seva (सेवा के समय बहाने करना)

41) Giving hospitality to someone who has no regard of Madhuban, Center, this knowledge
(ऐसी आत्मा की खातरी करना जिसके मन मे यज्ञ के प्रति, मधुबन के प्रति, और इस ईश्वरीय ज्ञान के प्रति जरा भी सम्मान नही है)

42) Giving name of seva to false attachments
(झूठी आसक्ति को सेवा का नाम देना)

43) Giving so much attention to someone special
(किसी को अति विशेष ध्यान देना)

44) Giving Sorrow (किसी को दुख देना)

45) Gossiping (अमर्यादित हंसी-मजाक)

46) Groupism (समूहवाद)

47) Having bad attitude/sight for someone
(किसी के प्रति बुरी/गंदी दृष्टि रखना)

48) Having bad thoughts for someone
(किसी के बारे में गलत सोच रखना)

49) Having jealousy inside but on face is being good.
(मन मे द्वेष ऊपर से हर्षित चेहरा)

50) Helping others in collecting money for fulfilling fantasy (not for Godly services)

51) Hiding truth (सत्य को छिपाना)

52) Hurt someone's feeling (किसी की भावना को ठेस पहुचाना)

53) Impure Love Chat/Sexual Chats (अशुद्ध या गन्दे कामुक वार्तालाप)

54) Inspite of having Spiritual Knowledge, doing Sins in ignorance (आध्यत्मिक ज्ञान होते हुए भी भूलकर पाप कर्म करना)

55) Insulting others (अपमान करना)

56) Lack of Harmonization of Sanskars (संस्कार मिलन नही करना)

57) Lack of Molding Nature in seva (मोल्डिंग स्वभाव नही होना)

58) Laughing at the miserable condition of others (दूसरों की मजबूरी में हँसना)

59) Laughing Loudly (जोर-जोर से आवाज़ निकालकर हँसना)

60) Listening Waste/or Sharing Waste (किसी को फालतू/व्यर्थ सुनाना या सुनना)

61) Misleading or Misguiding (गलत मार्ग प्रदर्शना करना)

62) Misuse of Facilities of Science or being dependent on Facilities (साधनों का दुरुपयोग, या पूरी तरह से निर्भर हो जाना)

63) Misuse of the money of Yagya, utilizing it for fulfilling self-desires (यज्ञ के पैसे का गलत उपयोग अपनी इच्छा पूर्ति के लिए करना।)

64) Misuse of the things/Facilities of Baba's Yagya (बाबा के यज्ञ से मिले वस्तुओं या साधनों का गलत उपयोग करना)

65) Mixing own intellect in Baba's Srimat (श्रीमत में मनमत मिक्स करना)

66) Murmuring or talking while Class is going on (क्लास के समय बड़बड़ाना या किसी से बात करना)

67) Nepotism (भाई-भतीजावाद या वंशवाद)

68) No control on Sense Organs and performing actions under them (अपनी ज्ञान-इंद्रियों पर कंट्रोल नही होना, उनके वश होकर कर्मकरना)

69) No control on wordings (बोल पर कंट्रोल नही होना)

70) No flexibility in services (सेवा में लचीलापन/निर्मानता नही होना)

71) Not adhering to the Group rules in which you belong

72) Not doing any kind of Yagya seva (Mind/Speech/deeds) (किसी भी प्रकार की यज्ञ सेवा न करना चाहे मनसा, वाचा या कर्मणा)

73) Not firm in Srimat (Doing things according to own Comfort (श्रीमत में निश्चयबुद्धि न होना, मनमत से कार्य करना)

74) Not having Consciousness of Right/True Relations (Brother -Brother relationship as we all are Souls), performing actions under the Anger and jealousy

75) Not giving Seva to the one who is worthy of that (योग्य आत्मा को सेवा न देना उसकी योग्यता के अनुरूप)

76) Not helping someone Knowingly (जानबूझकर किसी की सहायता नही करना)

77) Not leading others in this Spiritual path (ज्ञान मार्ग में दूसरों को आगे नही बढ़ाना)

78) Not Speaking truth Tactfully (सत्यता के साथ सभ्यता का न होना)

79) Partiality in bodily relations and Others

80) Perversion at the level of thoughts for opposite sex (विपरीत लिंग के लिए विकारी विचारों का होना)

81) Remaining unhappy (दुखी रहना)

82) Saying something by touching someone's feet (किसी को पैर से स्पर्श करके अपनी बात कहना)

83) Saying Rough words to someone (किसी को कड़वा बोलना)

84) Scolding (डांटना)

85) Self-Victimization Nature (स्व को यातना देने का स्वभाव)

86) Sharing Wrong Information (गलत सूचनाएं फैलाना)

87) Sleeping while Murli class as well as in Yoga (मुरली क्लास या सामूहिक योग में सोना)

88) Statism (अपने राज्य या अपने भाषा वाले को प्राथमिकता देना)

89) Talking bad about someone in group (समूह में किसी के बारे में गलत बोलना)

90) Talking loudly when no need

91) Taunting (किसी को टोंट करना)

92) Telling lie so called Yuktiyukt (झूठ बोलकर उसे युक्तियुक्त चलने का नाम देना)

93) To impress someone knowingly (दूसरों को जान बूझकर स्वयं में फंसाना)

94) To put finger on someone's Character (किसी के चरित्र पर प्रश्नचिन्ह लगाना)

95) To underestimate someone (किसी को कम समझना)

96) Trying to prove self (गलत होते हुए भी खुद को सही सिद्ध करना)

97) Trying to put others down tactfully (किसी को गिराने की युक्तियाँ निकलना)

98) Using someone's things without seeking Permission (किसी से बिना पूछे उसकी कोई वस्तु इस्तेमाल करना)

99) Waste Talks (व्यर्थ वार्तालाप)

100) Waste outing or Picnic (व्यर्थ भ्रमण, पिकनिक करना)

101) Wasting Time in fashion to pull attention of others (साज-श्रृंगार में समय व्यर्थ करना दूसरों का ध्यान आकर्षित करने के लिए)

102) Wasting time of Nimitt Teachers / Seniors due to misunderstanding or no depth of Knowledge

103) Wasting time of precious Confluence age (संगम युग के अमूल्य समय को व्यर्थ गंवाना)

104) Wasting time of self and others by bad application of Manipulated words/statements

105) Watching bad videos consisting impurity, sensuality (गन्दे चलचित्र देखना)

106) Wearing revealing Dresses in Madhuban or center (मधुबन में या सेंटर पर सभ्य ड्रेस ना पहनना)

107) While living in Madhuban or Center , not utilizing your proper time in Purusharth

108) Wrong gestures by hands (हाथों से गलत इशारे)